>

Title: Need to ensure supply of electricity from Central pool to Bihar.

डॉ. भोला सिंह (नवादा): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन में कहना चाहता हूं कि दीया खामोश है, परन्तु दिल किसी का तो जलता है, चले आओ जहां तक रोशनी मालूम पड़ती है। बिहार अंधेरे में है, वह अंधेरे का चितकार है। वह बिहार, जो आजादी और शहादत की मां, जहां दसवें सिक्ख गुरू की जन्मस्थली है, दुनिया के जनतंत्र की दीपशिखा अंधेरे में है। बिहार के बंटवारे के बाद वहां के जो थर्मल पावर स्टेशंस, कोयला खदान थे, वे झारखंड में रह गए। आज बिहार को सेंट्रल पुल से जो 1500 मेगावाट बिजली प्राप्त होनी है, उसकी कटौती कर दी गई है। उसका नतीजा यह हो रहा है कि अस्पताल बंद हैं, रेलगाड़ियों का चलना दुभर हो रहा है। इतना ही नहीं, हमें कोल लिंकेज भी नहीं दिया जा रहा है। हमें प्राकृतिक सम्पदा का उपयोग भी नहीं करने दिया जा रहा है। हमें गंगा नदी के जल का उपयोग कहल गांव युनिट के लिए नहीं करने दिया जा रहा है। बिहार प्रताड़ित एवं दंडित है। हम किसी के ऊपर दोषारोपण करना नहीं चाहते हैं, लेकिन हम आपके माध्यम से सदन के सामने वर्तमान सरकार से कहना चाहते हैं कि ये मंत्रियों के समूह की एक बैठक बुलाएं, जो बिहार की समस्याओं पर विचार करें।

सभापति महोदय, इन्हीं शब्दों के साथ मैं आपके माध्यम से सदन में कहना चाहता हूं कि कहां तो तेथा, चिरागां हरेक घर के लिए, कहां चिरागा मैसर नहीं शहर के लिए, यहां दरख्तों के छाए में धूप लगती है, चलो कहीं और चलें उमू भर के लिए। नमस्कार।